अनुदान संख्या 94 – अंतरिक्ष विभाग
GRANT No. 94 - DEPARTMENT OF SPACE

			कुल अनुदान या विनियोग Total grant or appropriation	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
					(हजार रुपयों में) (In thousands of rupees)
राजस्वः	**Revenue:**				
प्रभारित–	*Charged -*		*60,00*	*94*	*-59,06*
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*				*शून्य Nil*
स्वीकृत–	Voted-				
मूल	Original	5703,60,00	5703,62,00	4853,55,13	-850,06,87
पूरक	Supplementary	2,00			
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year				843,54,00
पूंजीगतः	**Capital:**				
प्रभारित–	*Charged -*		*40,00*	*1,76*	*-38,24*
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*				*शून्य Nil*
स्वीकृत–	Voted-				
मूल	Original	7774,87,00	7774,89,00	4636,47,56	-3138,41,44
पूरक	Supplementary	2,00			
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year				3135,97,00

टीका और टिप्पणियां

1. अनुदान के राजस्व भाग के *प्रभारित* अंश में, *₹55.00 लाख* का *विनियोग* ग्यारह शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

Notes and comments

1. In the *charged* portion of the revenue section of the grant, *appropriation* of *₹55.00 lakhs* remained wholly unutilized under eleven heads.

2. अनुदान के राजस्व भाग के स्वीकृत अंश में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं/हुआः–

2. In the voted portion of the revenue section of the grant, savings/excess occurred under the following major heads:-

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
					(लाख रुपयों में) (In lakhs of rupees)
मुख्य शीर्ष "3451"	Major Head "3451"				
सचिवालय – आर्थिक सेवाएं	Secretariat-Economic Services				
मू.	O.	3617.00			
			2180.00	2169.77	-10.23
पु.	R.	-1437.00			
मुख्य शीर्ष "3402"	Major Head "3402"				
अंतरिक्ष अनुसंधान	Space Research				
मू.	O.	566743.00			
पू.	S.	2.00	483828.00	483185.36	-642.64
पु.	R.	-82917.00			

(I) ₹507.10 लाख का प्रावधान छह शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

(I) Provision of ₹507.10 lakhs remained wholly unutilised under six heads.

(II) मुख्य शीर्ष "3451" – "सचिवालय – अंतरिक्ष विभाग" के अंतर्गत ₹1447.23 लाख की बचत (₹3617.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पीआरआईएस संगठन प्रोत्साहन राशि को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने, कम दौरे किए जाने, विधि शुल्क, कोविड–19 महामारी की वजह से कार्यालय और अन्य प्रशासनिक व्यय के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(II) Under Major Head "3451" - "Secretariat - Department of Space" - saving of ₹1447.23 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3617.00 lakhs) was due to postponement of PRIS, organization incentives to the next financial year, less tours undertaken, legal fees, requirement of less funds towards office and other administrative expenses owing to COVID-19 pandemic.

(III) मुख्य शीर्ष "3402" के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईः–

(III) Under Major Head "3402" - savings occurred under the following heads:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" –

(क) "विक्रम साराभाई अंतरीक्ष केन्द्र" – ₹607.20 लाख की बचत (₹103440.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पीआरआईएस संगठनात्मक प्रोत्साहन राशि को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने और कोविड–19 महामारी की वजह से सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्यालय उपकरणों की कम अधिप्राप्ति किए जाने के कारण हुई।

(ख) "इसरो टेलीमीटरी, ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी)" – ₹3934.83 लाख की बचत (₹20198.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पीआरआईएस संगठन प्रोत्साहन राशि को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने और कोविड–19 महामारी की वजह से यात्रा कार्यालय, अन्य प्रशासनिक व्यय/संचालनात्मक व्यय, विज्ञापन और प्रचार के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने तथा सुपुर्दगियों का स्थगन होने और किफायत के उपाय किए जाने के कारण हुई।

(ग) "मानवीय मिशन प्रोत्साहन/मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम (गगनयान)" – ₹937.18 लाख की बचत (₹1000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) यात्रा और कार्यालय व्यय, विज्ञापन और प्रचार के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने और कोविड–19 महामारी की वजह से अधिप्राप्ति कार्यकलापों को स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(घ) "भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान"– ₹2075.25 लाख की बचत (फरवरी, 2021 में प्राप्त किए गए ₹0.25 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹9000.25 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) तकनीकी सुविधाओं, अवसंरचना और सिविल कार्यों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने और कोविड–19 महामारी की वजह से अगले वित्तीय वर्ष के लिए चरणबद्ध व्यय होने के कारण हुई।

(A) "Space Technology" -

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)" - saving of ₹607.20 lakhs (against the sanctioned provision of ₹103440.00 lakhs) was due to postponement of PRIS organizational incentive to the next financial year and less procurement of IT related office equipments.

(b) "ISRO Telemetry, Tracking & Command Network (ISTRAC)" - saving of ₹3934.83 lakhs (against the sanctioned provision of ₹20198.00 lakhs) was due to postponement of PRIS organization incentives to the next financial year and requirement of less funds towards travel, office, other administrative expenses/operational expenses, advertising and publicity owing to COVID-19 pandemic and postponement of deliveries and economy measures.

(c) "Manned Mission Initiatives/Human Space Flight Programme (Gaganyaan)" - saving of ₹937.18 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1000.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards travel and office expenses, advertising & publicity and postponement of procurement activities owing to COVID-19 pandemic.

(d) "Indian Institute of Space Science & Technology (IIST)" - saving of ₹2075.25 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹9000.25 lakhs including token supplementary grant of ₹0.25 lakh obtained in February, 2021) was due to requirement of less funds towards technical facilities, infrastructure & civil works and phasing of expenditure to the next financial year owing to COVID-19.

(ङ) "इसरो नोदन कॉम्प्लेक्स (आईपीआरसी)" – ₹4901.16 लाख की बचत (₹23995.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पीआरआईएस संगठन प्रोत्साहन राशि को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने और यात्रा, कार्यालय और अन्य प्रशासनिक खर्च/संचालनात्मक खर्च और विज्ञापन एवं प्रचार के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने और कोविड–19 महामारी की वजह से कार्यबल की आवाजाही और सामग्रियों तथा आपूर्ति श्रृंखला में बाधा होने के कारण हुई।

(e) "ISRO Propulsion Complex (IPRC)" - saving of ₹4901.16 lakhs (against the sanctioned provision of ₹23995.00 lakhs) was due to postponement of PRIS organization incentives to the next financial year and requirement of less funds towards travel, office and other administrative expenses/operational expenses and advertising and publicity owing to COVID-19 pandemic and restrictions on movement of workforce and materials and supply chain disturbances.

(च) "अंतरिक्ष सामग्रियों और संघटकों का विकास" – ₹984.00 लाख की बचत (₹1500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) अंतरिक्ष ग्रेड सामग्रियों एवं घटकों के विकास के लिए स्वदेशीकरण प्रोत्साहन की धीमी प्रगति होने के कारण हुई।

(f) "Development of Space Materials & Components" - saving of ₹984.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1500.00 lakhs) was due to slow progress of indigenization initiatives undertaken for development of space grade materials and components.

(छ) "मुख्य कंट्रोल सुविधा (एमसीएफ)" – ₹627.49 लाख की बचत (₹8899.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पीआरआईएस संगठन प्रोत्साहन राशि को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने और कोविड–19 महामारी की वजह से यात्रा, कार्यालय और प्रशासनिक व्यय/संचालनात्मक व्यय और विज्ञापन और प्रचार और कम लोगों को काम पर रखे जाने के कारण हुई।

(g) "Master Control Facility (MCF)" - saving of ₹627.49 lakhs (against the sanctioned provision of ₹8899.00 lakhs) was due to postponement of PRIS organization incentives to the next financial year and requirement of less funds towards travel, office and other administrative expenses/ operational expenses and advertising and publicity owing to COVID-19 pandemic and engagement of less manpower.

(ज) "भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय" – ₹1849.59 लाख की बचत (₹15168.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पीआरआईएस संगठन प्रोत्साहन राशि को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने और कोविड–19 महामारी की वजह से और यात्रा, कार्यालय और अन्य प्रशासनिक व्यय/संचालनात्मक व्यय तथा विज्ञापन और प्रचार के लिए कम निधियों की आवश्कयता होने एवं अंतरिक्ष ज्ञान और इसरो पुरस्कार के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने

(h) "Indian Space Research Organisation Headquarters (ISRO Hq)" - saving of ₹1849.59 lakhs (against the sanctioned provision of ₹15168.00 lakhs) was due to postponement of PRIS organization incentives to the next financial year and requirement of less funds towards travel, office and other administrative expenses/ operational expenses and advertising and publicity owing to COVID-19 pandemic

के कारण हुई।

and requirement of less funds towards Antariksh Gyaan and ISRO awards.

(झ) "हाई रिजॉल्यूशन उपग्रह (एचआरएसएटी) कांसटिलेशन" – ₹924.00 लाख की बचत (₹2000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पीआरआईएस संगठन प्रोत्साहन राशि को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(i) "High Resolution Satellite (HRSAT) Constellation" - saving of ₹924.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2000.00 lakhs) was due to postponement of PRIS organisation incentives to the next financial year.

(ञ) "क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी)" – ₹700.03 लाख की बचत (सितम्बर, 2020 में प्राप्त किए गए ₹0.90 लाख के कुल सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹900.90 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कौशल विकास और वीएससीपी कार्यक्रमों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने और एसटीआईसी स्थापना व्यय के स्थगन होने के कारण हुई।

(j) "Capacity Building Programmes (CBP)" - saving of ₹700.03 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹900.90 lakhs including token supplementary grant of ₹0.90 lakh obtained in September, 2020) was due to requirement of less funds towards Skill Development and VSCP programmes and postponement of STIC establishment expenses.

(ट) "इसरो जड़त्वीय प्रणाली इकाई (आईआईएसयू)" – ₹1564.47 लाख की बचत (₹4300.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(k) "ISRO Inertial Systems Unit (IISU)" - saving of ₹1564.47 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4300.00 lakhs);

(ठ) "द्रव नोदन प्रणाली केन्द्र" – ₹8656.12 लाख की बचत (₹38985.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(l) "Liquid Propulsion Systems Centre (LPSC)" - saving of ₹8656.12 lakhs (against the sanctioned provision of ₹38985.00 lakhs);

(ड) "विद्युत प्रकाशिकी तंत्र प्रयोगशाला (लिओस)" – ₹586.77 लाख की बचत (₹6400.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(m) "Laboratory for Electro-Optics Systems (LEOS)" - saving of ₹586.77 lakhs (against the sanctioned provision of ₹6400.00 lakhs);

(ढ) "सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र – एसएचएआर (एसडीएससी–एसएचएआर)" – ₹9123.70 लाख की बचत (₹60395.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(n) "Satish Dhawan Space Centre - SHAR (SDSC-SHAR)" - saving of ₹9123.70 lakhs (against the sanctioned provision of ₹60395.00 lakhs);

(ण) "नौवहन उपग्रह प्रणाली" – ₹969.99 लाख की बचत (₹2200.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(o) "Navigational Satellite System" - saving of ₹969.99 lakhs (against the sanctioned provision of ₹2200.00 lakhs);

(त) "सेमी क्रायोजेनिक इंजन विकास" – ₹760.01 लाख की बचत (₹800.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(थ) "पीएसएलवी सतत कार्यक्रम (चरण–6)" – ₹3439.00 लाख की बचत (₹3445.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(द) "यू आर राव उपग्रह केन्द्र (यूआरएससी)" – ₹4002.51 लाख की बचत (₹52491.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(खा) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग" –

(क) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र (एसएसी)" – ₹13549.26 लाख की बचत (₹70495.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई; और

(ख) "विकास और शैक्षिक संचार इकाई (डीईसीयू)" – ₹567.47 लाख की बचत (₹1850.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई।

बचतें उपर्युक्त दस शीर्षों के अंतर्गत पीआरआईएस संगठन प्रोत्साहन राशि को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने और कोविड–19 महामारी की वजह से यात्रा, कार्यालय और प्रशासनिक व्यय/संचालनात्मक व्यय और विज्ञापन और प्रचार के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ग) "राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली" – ₹530.80 लाख की बचत (₹1150.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पीआरआईएस संगठन प्रोत्साहन राशि को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित होने और कोविड–19 महामारी की वजह से यात्रा, कार्यालय और अन्य प्रशासनिक व्यय/संचालनात्मक व्यय एवं विज्ञापन और प्रचार के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने और एसआईएसडीपी उन्नयन परियोजना के पुनर्मूल्यांकन में देरी होने के कारण हुई।

(p) "Semi Cryogenic Engine Development" - saving of ₹760.01 lakhs (against the sanctioned provision of ₹800.00 lakhs);

(q) "PSLV Continuation Programme (Phase-6)" - saving of ₹3439.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3445.00 lakhs);

(r) "U R Rao Satellite Centre (URSC)" - saving of ₹4002.51 lakhs (against the sanctioned provision of ₹52491.00 lakhs);

(B) "Space Applications" -

(a) "Space Applications Centre (SAC)" - saving of ₹13549.26 lakhs (against the sanctioned provision of ₹70495.00 lakhs); and

(b) "Development & Educational Communication Unit (DECU)" - saving of ₹567.47 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1850.00 lakhs).

Saving under the above ten heads were due to postponement of PRIS organisation incentives to the next financial year and requirement of less funds towards travel, office and other administrative expenses/operational expenses and advertising and publicity owing to COVID-19 pandemic.

(c) "National Natural Resources Management System (NNRMS)" - saving of ₹530.80 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1150.00 lakhs) was due to postponement of PRIS organisation incentives to the next financial year and requirement of less funds towards travel, office and other administrative expenses/operational expenses and advertising and publicity owing to COVID-19 pandemic and delay in re-appraisal of SISDP updation project.

(घ) "आपदा प्रबंधन सहायता (डीएमएस)" – ₹511.27 लाख की बचत (₹650.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कोविड–19 महामारी की वजह से उपग्रह डाटा की अधिप्राप्ति के स्थगन होने, डीडब्ल्यूआर और आर एंड डी संबंधित कार्यकलापों, यात्रा और कार्यालय खर्च के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(d) "Disaster Management Support (DMS)" - saving of ₹511.27 lakhs (against the sanctioned provision of ₹650.00 lakhs) was due to postponement of procurement of satellite data, requirement of less funds towards DWR and R&D related activities, travel and office expenses owing to COVID-19 pandemic.

(ङ) "राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केन्द्र (एनआरएससी)" – ₹3800.01 लाख की बचत (₹30996.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पीआरआईएस संगठन प्रोत्साहन राशि को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित होने और कोविड–19 महामारी की वजह से यात्रा, कार्यालय और अन्य प्रशासनिक व्यय/संचालनात्मक व्यय एवं विज्ञापन और प्रचार के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने और सीआईएसएफ कार्मिकों के लिए हथियार और गोला बारुद की अधिप्राप्ति स्थगित किए जाने के कारण हुई।

(e) "National Remote Sensing Centre (NRSC)" - saving of ₹3800.01 lakhs (against the sanctioned provision of ₹30996.00 lakhs) was due to postponement of PRIS organisation incentives to the next financial year and requirement of less funds towards travel, office and other administrative expenses/operational expenses and advertising and publicity owing to COVID-19 pandemic and deferment of procurement of arms and ammunition for CISF personnel.

(च) "भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान" – ₹586.39 लाख की बचत (₹4579.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पीआरआईएस संगठन प्रोत्साहन राशि को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने तथा कोविड–19 महामारी की वजह से यात्रा, कार्यालय और अन्य प्रशासनिक व्यय/संचालनात्मक व्यय और विज्ञापन और प्रचार के लिए कम निधियों आवश्यकता होने और फील्ड उपकरणों और कल पुर्जों की एएमसी में कमी होने के कारण हुई।

(f) "Indian Institute of Remote Sensing (IIRS)" - saving of ₹586.39 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4579.00 lakhs) was due to postponement of PRIS organisation incentives to the next financial year and requirement of less funds towards travel, office and other administrative expenses/operational expenses and advertising and publicity owing to COVID-19 pandemic and reduction in AMCs of field equipments and instruments.

(छ) "पूर्वोत्तर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र" – ₹1380.00 लाख की बचत (₹4030.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई; और

(g) "North-Eastern Space Applications Centre (NE SAC)" - saving of ₹1380.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4030.00 lakhs); and

(गा) "अंतरिक्ष विज्ञान" –

(क) "रेस्पॉन्ड" – ₹3192.29 लाख की बचत (₹4800.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई।

बचतें उपर्युक्त दो शीर्षों के अंतर्गत संस्थागत समर्थन का विस्तार करने के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुईं।

(ख) "भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल)" – ₹2516.00 लाख की बचत (₹17200.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कोविड–19 महामारी की वजह से संस्थागत समर्थन विस्तार और अगले वित्तीय वर्ष के लिए चरणबद्ध व्यय के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ग) "राष्ट्रीय वायुमंडलीय अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएआरएल)" – ₹895.25 लाख की बचत (फरवरी, 2021 में प्राप्त किए गए ₹0.25 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹3850.25 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) संस्थागत समर्थन विस्तार संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने और अवसंरचना और सिविल कार्यों की प्रगति में विलंब होने के कारण हुई।

(घ) "आदित्य" – ₹1389.39 लाख की बचत (₹1500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कोविड–19 महामारी की वजह से यात्रा व्यय और अन्य संविदात्मक सेवाओं से संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ङ) "जलवायु और वायुमंडलीय कार्यक्रम" – ₹572.66 लाख की बचत (₹1600.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) इसरो भूमंडल–जीवमंडल कार्यक्रम और वायुमंडलीय विज्ञान कार्यक्रम के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(C) "Space Sciences" -

(a) "RESPOND" - saving of ₹3192.29 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4800.00 lakhs).

Savings under the above two heads were due to requirement of less funds towards extending institutional support.

(b) "Physical Research Laboratory (PRL)" - saving of ₹2516.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹17200.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards extending institutional support and phasing of expenditure to the next financial year owing to COVID-19.

(c) "National Atmospheric Research Laboratory (NARL)" - saving of ₹895.25 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹3850.25 lakhs including token supplementary grant of ₹0.25 lakh obtained in February, 2021) was due to requirement of less funds towards extending institutional support and delay in progress of infrastructure and civil works.

(d) "ADITYA" - saving of ₹1389.39 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1500.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards travel expenses and other contractual services owing to COVID-19 pandemic.

(e) "Climate & Atmospheric Programme" - saving of ₹572.66 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1600.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards ISRO-Geosphere-Biosphere Programme and Atmospheric Science Programme.

(ङ) "इनसैट उपग्रह प्रणाली" –

(क) "इनसैट/जीसैट ट्रांसपोंडर लीजिंग के लिए सेवा शुल्क" – ₹1682.72 लाख की बचत (₹12000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(ख) "जीएसएटी–20 उपग्रह" – ₹934.83 लाख की बचत (₹1100.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई; और

(ग) "जीएसएटी–22/23/24 उपग्रह" – ₹3131.23 लाख की बचत (₹3700.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई।

बचतें उपर्युक्त तीन शीर्षों के अंतर्गत पीआरआईएस संगठन प्रोत्साहन राशि को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने और कोविड–19 महामारी की वजह से यात्रा, कार्यालय और अन्य प्रशासनिक व्यय/संचालनात्मक व्यय और विज्ञापन और प्रचार के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(घ) "इंडियन डेटा रिले सैटेलाइट सीरीज (आईडीआरएसएस)" – ₹1694.74 लाख की बचत (₹4500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कोविड–19 महामारी की वजह से यात्रा और अन्य प्रशासनिक व्यय, पेशेवर सेवाएं, अन्य संविदात्मक सेवाओं के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(IV) छह शीर्षों के अंतर्गत ₹2143.29 लाख की बचतें हुईं जो प्रत्येक में ₹250.00 लाख से अधिक परन्तु ₹500.00 लाख से कम और स्वीकृत प्रावधान का 33 प्रतिशत से 77 प्रतिशत तक थीं।

3. उपर्युक्त बचतें पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान को बढ़ाने के लिए आंशिक रूप से (₹4491.50 लाख) प्रयुक्त हो गईं जैसाकि फरवरी, 2021 में मुख्य शीर्ष "3402" – "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी – सेमी कंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल)" के अंतर्गत ₹1.00 लाख का सांकेतिक पूरक अनुदान प्राप्त करते

(D) "INSAT Satellite System" -

(a) "Service Charges for Leasing INSAT/GSAT Transponders" - saving of ₹1682.72 lakhs (against the sanctioned provision of ₹12000.00 lakhs);

(b) "GSAT-20 Satellite" - saving of ₹934.83 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1100.00 lakhs); and

(c) "GSAT-22/23/24 Satellites" - saving of ₹3131.23 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3700.00 lakhs).

Savings under the above three heads were due to postponement of PRIS organization incentives to the next financial year and requirement of less funds towards travel, office and other administrative expenses/operational expenses and advertising and publicity owing to COVID-19 pandemic.

(d) "Indian Data Relay Satellite Series (IDRSS)" - saving of ₹1694.74 lakhs (against the sanctioned provision of ₹4500.00 lakhs) was due to requirement of less funds towards travel and other administrative expenses, professional services, other contractual services owing to COVID-19 pandemic.

(IV) Under six heads savings of ₹2143.29 lakhs occurred, each exceeding ₹250.00 lakhs but not exceeding ₹500.00 lakhs and constituting 33 percent to 77 percent of the sanctioned provision.

3. The above savings were partly (₹4491.50 lakhs) utilized for augmenting the provision by re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining token supplementary grant of ₹1.00 lakh in February, 2021, under Major Head "3402" -

समय संसद को पहले ही सूचित कर दिया गया था। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि, ₹4490.50 लाख था।

"Space Technology - Semi-Conductor Laboratory (SCL)". Actual excess, however, was ₹4490.50 lakhs.

4. अनुदान के पूंजीगत भाग के *प्रभारित* अंश में, *₹ 33.00 लाख* का *विनियोग* आठ शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

4. In the *charged* portion of the capital section of the grant, *appropriation* of *₹33.00 lakhs* remained wholly unutilized under eight heads.

5. अनुदान के पूंजीगत भाग के स्वीकृत अंश में, बचतें/अधिक व्यय निम्नलिखित मुख्य शीर्ष के अंतर्गत हुईं/हुआः–

5. In the voted portion of the capital section of the grant, savings/excess occurred under the following major head:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
मुख्य शीर्ष "5402"	Major Head "5402"				
अंतरिक्ष अनुसंधान पर पूंजीगत परिव्यय	Capital Outlay on Space Research				
मू.	O.	777487.00			
पू.	S.	2.00	463892.00	463647.56	-244.44
पु.	R.	-313597.00			

(I) ₹10329.00 लाख का प्रावधान सात शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा। इनमें से "अंतरिक्ष प्रौद्योगिक – एल्यूमीनियम एलॉय टैंकेजेज का विकास और आपूर्ति–पूर्व निवेश" – के अंतर्गत पुनर्संरचना की वजह से परियोजना को अगले वित्तीय वर्ष के लिए स्थगित किए जाने के कारण केवल ₹10000.00 लाख लेखाबद्ध किए गए।

(I) Provision of ₹10329.00 lakhs remained wholly unutilised under seven heads; of these ₹10000.00 lakhs alone accounted for under "Space Technology-Development and Supply of Aluminium Alloy Tankages-Pre-investment" - due to postponement of the project to the next financial year owing to restructuring.

(II) मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईः–

(II) Under Major Head "5402" - savings occurred under the following heads:-

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" –

(A) "Space Technology" -

(क) "विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र (वीएसएससी)" – ₹15435.69 लाख की बचत (₹35545.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(a) "Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC)" - saving of ₹15435.69 lakhs (against the sanctioned provision of ₹35545.00 lakhs);

(ख) "द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी)" – ₹25994.49 लाख की बचत (₹43595.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(b) "Liquid Propulsion Systems Centre (LPSC)" - saving of ₹25994.49 lakhs (against the sanctioned provision of ₹43595.00 lakhs);

(ग) "विद्युत प्रकाशिकी तंत्र प्रयोगशाला (लिओस)" – ₹1741.72 लाख की बचत (₹3600.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(c) "Laboratory for Electro-Optics Systems (LEOS)" - saving of ₹1741.72 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3600.00 lakhs);

(घ) "सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र – एसएचएआर – (एसडीएससी – एसएचएआर)" – ₹15019.02 लाख की बचत (₹32393.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(d) "Satish Dhawan Space Centre-SHAR (SDSC-SHAR) - saving of ₹15019.02 lakhs (against the sanctioned provision of ₹32393.00 lakhs);

(ङ) "इसरो टेलीमीटरी ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी)" – ₹7318.16 लाख की बचत (₹12778.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(e) "ISRO Telemetry, Tracking and Command Network (ISTRAC)" - saving of ₹7318.16 lakhs (against the sanctioned provision of ₹12778.00 lakhs);

(च) "जीएसएलवी सतत परियोजना" – ₹10817.56 लाख की बचत (₹13800.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(f) "GSLV Continuation Project" - saving of ₹10817.56 lakhs (against the sanctioned provision of ₹13800.00 lakhs).

(छ) "मुख्य नियंत्रण सुविधा" – ₹4348.03 लाख की बचत (₹7100.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(g) "Master Control Facility (MCF)" - saving of ₹4348.03 lakhs (against the sanctioned provision of ₹7100.00 lakhs);

(ज) "भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय (इसरो मुख्यालय)" – ₹2077.71 लाख की बचत (₹3745.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(h) "Indian Space Research Organisation Headquarters (ISRO Hq)" - saving of ₹2077.71 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3745.00 lakhs); and

(झ) "हाई रिजोल्यूशन उपग्रह (एचआरएसएटी) कांसटिलेशन" – ₹4121.31 लाख की बचत (₹8000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(i) "High Resolution Satellite (HRSAT) Constellation" - saving of ₹4121.31 lakhs (against the sanctioned provision of ₹8000.00 lakhs).

बचत उपर्युक्त नौ शीर्षों के अंतर्गत कोविड–19 महामारी की वजह से मोटरवाहनों की अधिप्राप्ति में विलंब होने, तकनीकी कार्यकलापों और चालू सिविल कार्यों की धीमी प्रगति होने के कारण हुई।

Saving under the above nine heads were due to delay in procurement of motor vehicles, slow progress of technical activities and on-going civil works owing to COVID-19 pandemic.

(ञ) "रिसोर्ससैट – 3एस और 3एसए" – ₹4324.10 लाख की बचत (₹8600.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई; और

(ट) "रिसोर्ससैट – 3 और 3ए" – ₹4640.12 लाख की बचत (₹8500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई।

बचतें उपर्युक्त दो शीर्षों के अंतर्गत कोविड–19 महामारी की वजह से मोटरवाहनों की धीमी प्रगति होने, तकनीकी सुविधाओं और चालू सिविल कार्यों की अधिप्राप्ति में विलंब होने और संशोधित लांच मैनफेस्ट के अनुसार अंतरिक्षयान की प्राप्ति में परिवर्तन होने के कारण हुई।

(ठ) "ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन – सतत (पीएसएलवी–सी) परियोजना" – ₹29107.93 लाख की बचत (फरवरी, 2021 में प्राप्त किए गए ₹0.10 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹63800.10 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मशीनरी तथा उपकरण के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने और कार्यकलापों की प्रगति पर आधारित अन्य व्यय तथा संशोधित प्रक्षेपण कार्यक्रम की वजह से व्यय अगले वित्तीय वर्ष के लिए ले जाने के कारण हुई।

(ड) "मानवीय मिशन पहल/मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम (गगनयान)" – ₹48082.56 लाख की बचत (₹119000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मोटर वाहनों की अधिप्राप्ति में विलंब होने, तकनीकी सुविधाओं के कार्यकलापों, चालू सिविल कार्यों की धीमी प्रगति होने और मशीनरी तथा उपकरणों और अन्य व्यय के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(ढ) "सेमी क्रायोजेनिक इंजन विकास" – ₹3644.79 लाख की बचत (₹20200.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) मशीनरी और उपकरणों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने, तकनीकी

(j) "Resourcesat-3S & 3SA" - saving of ₹4324.10 lakhs (against the sanctioned provision of ₹8600.00 lakhs); and

(k) "Resourcesat-3 & 3A" - saving of ₹4640.12 lakhs (against the sanctioned provision of ₹8500.00 lakhs).

Savings under the above two heads were due to delay in procurement of motor vehicle, slow progress of technical facilities and on-going civil works owing to COVID-19 pandemic and change in realization of spacecraft as per the revised launch manifest.

(l) "Polar Satellite Launch Vehicle - Continuation (PSLV-C) Project" - saving of ₹29107.93 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹63800.10 lakhs including token supplementary grant of ₹0.10 lakh obtained in February, 2021) was due to requirement of less funds towards machinery & equipment and other expenses based on progress of activities and phasing out of expenditure to the next financial year owing to revised launch schedule.

(m) "Manned Mission Initiatives/Human Space Flight Programme (Gaganyaan)" - saving of ₹48082.56 lakhs (against the sanctioned provision of ₹119000.00 lakhs) was due to delay in procurement of motor vehicles, slow progress of activities of technical facilities, on-going civil works and requirement of less funds towards machinery & equipments and other expenses.

(n) "Semi Cryogenic Engine Development" - saving of ₹3644.79 lakhs (against the sanctioned provision of ₹20200.00 lakhs) was due to requirement of less funds

सुविधाओं के कार्यकलापों, चालू सिविल कार्यों के कार्यकलापों की धीमी प्रगति होने के कारण हुई।

(ण) "ठोस नोदक अंतरिक्ष बूस्टर संयंत्र (एसपीआरओबी)" – ₹2500.22 लाख की बचत (फरवरी, 2021 में प्राप्त किए गए ₹0.10 लाख का सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹8000.10 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) एसडीएससी–एसएचएआर पर मोटर उत्पादन सुविधाओं की सिविल कार्यों के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(त) "इसरो नोदन कॉम्प्लेक्स (आईपीआरसी)" – ₹16155.20 लाख की बचत (₹43591.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई; और

(थ) "पीएसएलवी सतत् कार्यक्रम (चरण–6)" – ₹11561.00 लाख की बचत (₹21555.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई।

बचतें उपर्युक्त दो शीर्षों के अंतर्गत मोटरवाहनों की अधिप्राप्ति में विलंब होने, तकनीकी कार्यकलापों, चालू सिविल कार्यों की धीमी प्रगति होने और कार्यबल और सामग्रियों के आवाजाही में प्रतिबंध होने के कारण हुई।

(द) "नौहवन उपग्रह प्रणाली (एनएसएस)" – ₹12055.78 लाख की बचत (₹17800.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(ध) "भू–चित्रांकन उपग्रह (जीआईएसएटी)" – ₹640.26 लाख की बचत (फरवरी, 2021 में प्राप्त किए गए ₹0.10 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹2540.10 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(न) "ओसनसैट–3 और 3ए" – ₹5531.71 लाख की बचत (₹9500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

towards machinery & equipment, delay in progress of activities of technical facilities, on-going civil works.

(o) "Solid Propellent Space Booster Plant (SPROB)" - saving of ₹2500.22 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹8000.10 lakhs including token supplementary grant of ₹0.10 lakh obtained in February, 2021) was due to requirement of less funds towards civil works of solid motor production facilities at SDSC-SHAR.

(p) "ISRO Propulsion Complex (IPRC)" - saving of ₹16155.20 lakhs (against the sanctioned provision of ₹43591.00 lakhs); and

(q) "PSLV Continuation Programme (Phase-6)" - saving of ₹11561.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹21555.00 lakhs).

Savings under the above two heads were due to delay in procurement of motor vehicles, slow progress of technical activities, on-going civil works and restrictions in movement of workforce and materials.

(r) "Navigation Satellite System (NSS)" - saving of ₹12055.78 lakhs (against the sanctioned provision of ₹17800.00 lakhs);

(s) "Geo-Imaging Satellite (GISAT)" - saving of ₹640.26 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹2540.10 lakhs including token supplementary grant of ₹0.10 lakh obtained in February, 2021);

(t) "Oceansat-3 & 3A" - saving of ₹5531.71 lakhs (against the sanctioned provision of ₹9500.00 lakhs);

(प) "रीसैट–1बी" – ₹4690.05 लाख की बचत (₹9800.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(u) "Risat-1B" - saving of ₹4690.05 lakhs (against the sanctioned provision of ₹9800.00 lakhs);

(फ) "सेमी क्रायोजेनिक चरण विकास" – ₹2602.01 लाख की बचत (₹8500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(v) "Semi Cryogenic Stage Development" - saving of ₹2602.01 lakhs (against the sanctioned provision of ₹8500.00 lakhs);

(ब) "पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान कक्षीय पुनर्प्रवेश प्रयोग" – ₹2678.36 लाख की बचत (₹3475.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(w) "Reusable Launch Vehicle Orbital Re-entry Experiment" - saving of ₹2678.36 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3475.00 lakhs);

(भ) "पीएसएलबी एकीकरण सुविधा (पीआईएफ)" – ₹5500.30 लाख की बचत (₹11000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(x) "PSLV Integration Facility (PIF)" - saving of ₹5500.30 lakhs (against the sanctioned provision of ₹11000.00 lakhs);

(म) "यू आर राव उपग्रह केन्द्र (यूआरएससी)" – ₹18720.08 लाख की बचत (₹31499.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(y) "U R Rao Satellite Centre (URSC)" - saving of ₹18720.08 lakhs (against the sanctioned provision of ₹31499.00 lakhs);

(य) "जीएसएलवी सतत कार्यक्रम (चरण–4)" – ₹4165.00 लाख की बचत (₹5665.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(z) "GSLV Continuation Programme (Phase 4)" - saving of ₹4165.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹5665.00 lakhs);

(कक) "अंतरिक्ष पिंड अनुवर्तन एवं विश्लेषण नेटवर्क (नेत्रा)" – ₹2777.54 लाख की बचत (₹3490.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(aa) "Network for Space Objects Tracking and Analysis (NETRA)" - saving of ₹2777.54 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3490.00 lakhs);

(कख) "एसएसएलवी के लिए प्रक्षेपण पैड" – ₹9921.26 लाख की बचत (₹10000.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(ab) "Launch Pad for SSLV" - saving of ₹9921.26 lakhs (against the sanctioned provision of ₹10000.00 lakhs);

(कग) "मानव अंतरिक्ष उड़ान केन्द्र (एचएफएससी)" – ₹1597.12 लाख की बचत (फरवरी, 2021 में प्राप्त किए गए ₹0.10 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹2160.10 लाख के कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई; और

(ac) "Human Spaceflight Centre (HFSC)" - saving of ₹1597.12 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹2160.10 lakhs including token supplementary grant of ₹0.10 lakh obtained in February, 2021); and

(खा) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग" –

(B) "Space Applications" -

(क) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र (एसएसी)" – ₹33461.18 लाख की बचत (₹53095.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई।

बचतें उपर्युक्त तेरह शीर्षों के अंतर्गत मशीनरी एवं उपकरण के लिए और प्रक्षेपण कार्यकलापों की धीमी प्रगति पर आधारित अन्य खर्च से संबंधित कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुईं।

(ख) "आपदा प्रबंधन सहायता (डीएमएस)" – ₹936.62 लाख की बचत (₹1150.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) उपलब्धियों की प्रगति पर आधारित तकनीकी उपकरणों की अधिप्राप्ति में विलंब होने के कारण हुई।

(ग) "राष्ट्रीय सुदूर संवेदी केन्द्र (एनआरएससी)" – ₹7182.02 लाख की बचत (₹12935.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई; और

(घ) "भारतीय सुदूर संवेदी संस्थान (आईआईआरएस)" – ₹1069.00 लाख की बचत (₹1919.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में)।

बचतें उपर्युक्त दो शीर्षों के अंतर्गत कार्यकलापों की प्रगति के आधार पर मोटर वाहनों, मशीनरी एवं उपकरण और अन्य व्यय के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(गा) "अंतरिक्ष विज्ञान" –

(क) "आदित्य" – ₹1114.74 लाख की बचत (सितम्बर, 2020 में प्राप्त किए गए ₹0.10 लाख का सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹5500.10 लाख कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(ख) "एक्स रे ध्रुवीय मीटर उपग्रह (एक्सपोसैट)" – ₹1332.01 लाख की बचत (₹1850.00 लाख स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(a) "Space Applications Centre (SAC)" - saving of ₹33461.18 lakhs (against the sanctioned provision of ₹53095.00 lakhs).

Saving under the above thirteen heads were due to requirement of less funds towards machinery & equipment and other expenses based on slow progress of launch activities.

(b) "Disaster Management Support (DMS)" - saving of ₹936.62 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1150.00 lakhs) was due to delay in procurement of technical equipments based on the progress of milestones.

(c) "National Remote Sensing Centre (NRSC)" - saving of ₹7182.02 lakhs (against the sanctioned provision of ₹12935.00 lakhs); and

(d) "Indian Institute of Remote Sensing (IIRS)" - saving of ₹1069.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1919.00 lakhs).

Saving under the above two heads were due to requirement of less funds towards motor vehicles, machinery & equipment and other expenses based on the progress of activities.

(C) "Space Sciences" -

(a) "ADITYA" - saving of ₹1114.74 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹5500.10 lakhs including token supplementary grant of ₹0.10 lakh obtained in September, 2020);

(b) "X-RAY Polarimeter Satellite (Xposat)" - saving of ₹1332.01 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1850.00 lakhs);

(ग) "अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग मिशन" – ₹1811.04 लाख की बचत (₹3400.00 लाख कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(घा) "इनसैट उपग्रह प्रणाली" –

(क) "जीसैट–22/23/24 उपग्रह" – ₹904.28 लाख की बचत (₹10300.00 लाख स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई; और

(ख) "जीसैट–29 उपग्रह" – ₹704.28 लाख की बचत (सितम्बर, 2020 में प्राप्त किए गए ₹0.80 लाख के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित ₹1100.80 लाख कुल स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई।

बचतें उपर्युक्त पाँच शीर्षों के अंतर्गत प्रक्षेपण कार्यकलापों की धीमी प्रगति के आधार पर मशीनरी एवं उपकरण और अन्य व्यय के लिए कम निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(घा) "आवास" –

(क) "सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र – एसएचएआर" – ₹1060.01 लाख की बचत (₹1200.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई;

(ख) "अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र" – ₹1117.01 लाख की बचत (₹1400.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) हुई; और

(ग) "राष्ट्रीय सुदूर संवेदी केन्द्र (एनआरएससी)" – ₹518.00 लाख की बचत (₹560.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना) हुई;

बचतें उपर्युक्त तीन शीर्षों के अंतर्गत कार्यकलापों की धीमी प्रगति होने और कम बिलों की उपलब्धता होने के कारण हुईं।

(III) तीन शीर्षों के अंतर्गत ₹1192.98 लाख की बचतें हुईं, जो प्रत्येक में ₹250.00 लाख से अधिक परन्तु ₹500.00

(c) "Space Docking Experiment Mission" - saving of ₹1811.04 lakhs (against the sanctioned provision of ₹3400.00 lakhs);

(D) "INSAT Satellite System" -

(a) "GSAT-22/23/24 Satellites" - saving of ₹904.28 lakhs (against the sanctioned provision of ₹10300.00 lakhs); and

(b) "GSAT-29 Satellite" - saving of ₹704.28 lakhs (against the total sanctioned provision of ₹1100.80 lakhs including token supplementary grant of ₹0.80 lakh obtained in September, 2020.)

Saving under the above five heads were due to requirement of less funds towards machinery & equipment and other expenses based on slow progress of launch activities.

(E) "Housing" -

(a) "Satish Dhawan Space Centre-SHAR" - saving of ₹1060.01 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1200.00 lakhs);

(b) "Space Applications Centre" - saving of ₹1117.01 lakhs (against the sanctioned provision of ₹1400.00 lakhs); and

(c) "National Remote Sensing Centre (NRSC)"- saving of ₹518.00 lakhs (against the sanctioned provision of ₹560.00 lakhs).

Savings under the above three heads were due to slow progress of activities and availability of less bills.

(III) Under three heads savings of ₹1192.98 lakhs occurred, each exceeding ₹250.00 lakhs but not

लाख से कम और स्वीकृत प्रावधान का 14 प्रतिशत से 73 प्रतिशत तक थीं।

6.(I) उपर्युक्त बचतें पुनर्विनियोग द्वारा प्रावधान को बढ़ाने के लिए आंशिक रूप से (₹23302.40 लाख) प्रयुक्त हो गईं जैसाकि सितम्बर, 2020 और फरवरी, 2021 में मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के तहत ₹2.00 लाख का सांकेतिक पूरक अनुदान प्राप्त करते समय संसद को पहले ही सूचित कर दिया गया थाः–

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी" –

(क) "रीसैट–1ए" – ₹6409.80 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि, ₹6409.56 लाख था।

(ख) "जीएसएलवी एमके–III सतत कार्यक्रम (चरण–1)" – ₹5075.90 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि, ₹5075.64 लाख था।

(ग) "छोटा उपग्रह प्रक्षेपण यान विकास (एसएसएलवी)" – ₹1299.90 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि, ₹1299.86 लाख था।

(खा) "अंतरिक्ष विज्ञान – चन्द्रायन–III" – ₹887.90 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि, ₹877.74 लाख था।

(गा) "इनसैट उपग्रह प्रणाली – जीसैट–20 उपग्रह" – ₹9628.90 लाख। वास्तविक अधिक व्यय, तथापि, ₹9628.66 लाख था।

(II) बचतें मुख्य शीर्ष "5402" के अंतर्गत निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत अधिक व्यय द्वारा भी प्रतिसंतुलित हो गईंः–

(का) "अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी – कारटोसैट–3" – ₹538.90 लाख का अधिक व्यय (₹6260.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) इलेक्ट्रानिक उपकरणों के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुआ।

(खा) "अंतरिक्ष विज्ञान – भारतीय चंद्रायन मिशन – चन्द्रायन – 1 एवं 2" – ₹2145.99 लाख का अधिक व्यय (₹830.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) पूर्ण

exceeding ₹500.00 lakhs and constituting 14 percent to 73 percent of the sanctioned provision.

6.(I) The above savings were partly (₹23302.40 lakhs) utilized for augmenting the provision by re-appropriation as already reported to Parliament while obtaining token supplementary grant of ₹2.00 lakhs in September, 2020 and February, 2021, under Major Head "5402" - under the following heads:-

(A) "Space Technology" -

(a) "RISAT-1A" - ₹6409.80 lakhs. Actual excess, however, was ₹6409.56 lakhs.

(b) "GSLV Mk-III Continuation Programme (Phase-1)" - ₹5075.90 lakhs. Actual excess, however, was ₹5075.64 lakhs.

(c) "Small Satellite Launch Vehicle (SSLV) Development" - ₹1299.90 lakhs. Actual excess, however, was ₹1299.86 lakhs.

(B) "Space Sciences - Chandrayaan-III" - ₹887.90 lakhs. Actual excess, however, was ₹877.74 lakhs.

(C) "INSAT Satellite System - GSAT-20 Satellite" - ₹9628.90 lakhs. Actual excess, however, was ₹9628.66 lakhs.

(II) Savings were also offset by excess under Major Head "5402" - under the following heads:-

(A) "Space Technology - Cartosat-3" - excess of ₹538.90 lakhs (against the sanctioned provision of ₹6260.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards electronic components.

(B) "Space Sciences - Indian Lunar Mission - Chandrayaan - 1&2" - excess of ₹2145.99 lakhs (against the sanctioned provision of ₹830.00 lakhs)

परियोजना के लिए उड़ान हार्डवेयर पिछला जमा स्टॉक व्यय के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता के कारण हुई।

was due to requirement of additional funds towards spillover expenses of flight hardware for completed project.

(गा) "इनसैट उपग्रह प्रणाली – भारतीय डाटा रिलै सैटेलाइट सिस्टम (आईडीआरएसएस)" – ₹970.92 लाख का अधिक व्यय (₹10500.00 लाख के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) इलेक्ट्रानिक उपकरणो, फेवरिकेशन व्यय, ठोस स्टेट रिले, परियोजना के निष्पादन के लिए पावर आइसोलेटर्स के लिए अतिरिक्त निधियों की आवश्यकता होने के कारण हुई।

(C) "INSAT Satellite System - Indian Data Relay Satellite Series (IDRSS)" - excess of ₹970.92 lakhs (against the sanctioned provision of ₹10500.00 lakhs) was due to requirement of additional funds towards electronic components, fabrication expenses, solid state relays and power isolators for realization of the project.